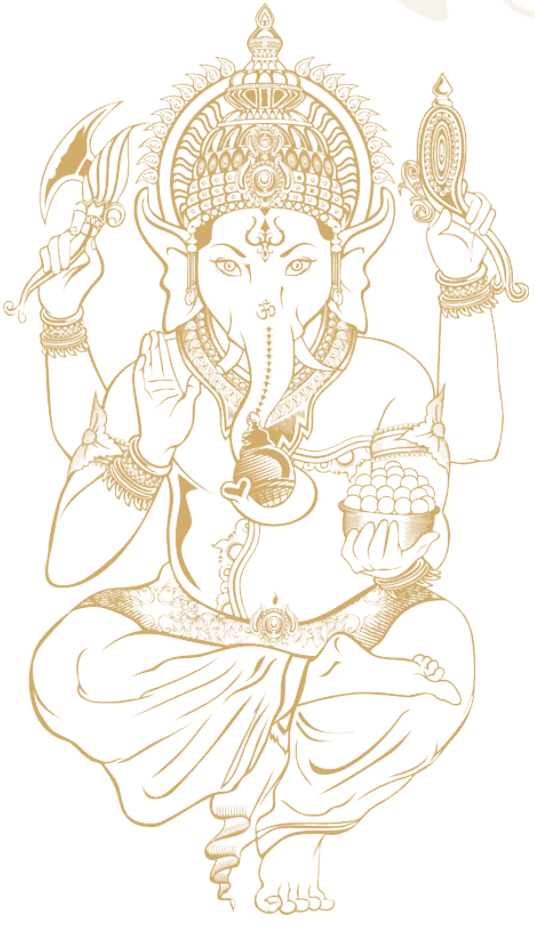

Ashish Ahuja

01 Jun 1988

09:41 PM

Rohtak

Model: web-freekundliweb

Order No: 121780205

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/06/1988**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**21:41:00 घंटे**
इष्ट	40:38:39 घटी
स्थान	**Rohtak**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:54:00 उत्तर
रेखांश	76:38:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:17:32 घंटे
वेलान्तर	00:02:13 घंटे
साम्पातिक काल	13:58:58 घंटे
सूर्योदय	05:25:32 घंटे
सूर्यास्त	19:17:18 घंटे
दिनमान	13:51:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	17:40:17 वृष
लग्न के अंश	21:28:53 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	साध्य
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	21:28:53	361:01:10	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			वृष	17:40:17	00:57:28	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	03:29:34	14:03:48	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	सम राशि
मंगल			कुंभ	12:50:04	00:37:18	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
बुध	व		मिथु	03:04:04	00:03:17	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	स्वराशि
गुरु			मेष	25:58:41	00:13:45	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	मित्र राशि
शुक्र	व		मिथु	04:42:26	00:23:59	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		धनु	06:54:05	00:04:03	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	25:34:38	00:11:09	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	25:34:38	00:11:09	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	06:05:47	00:02:16	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
नेप	व		धनु	15:51:11	00:01:22	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
प्लूटो	व		तुला	16:40:12	00:01:23	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			तुला	08:13:05	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:45

लग्न-चलित

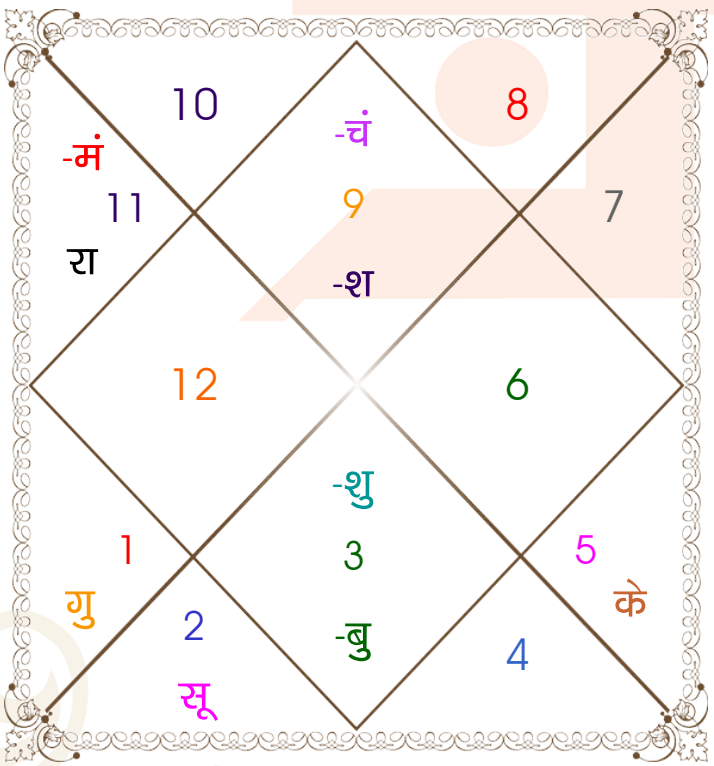

चन्द्र कुंडली

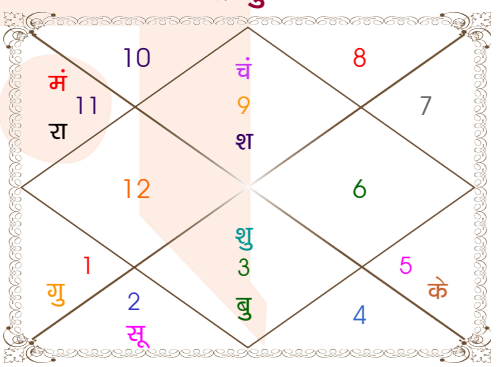

नवमांश कुंडली

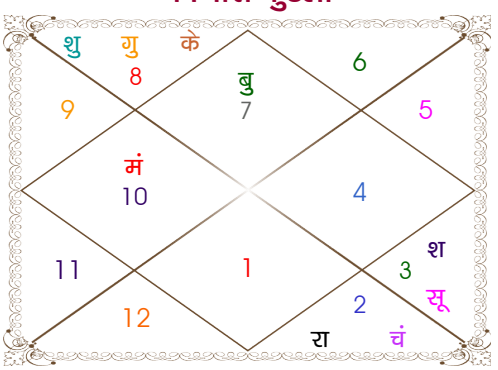

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 1 मास 30 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
01/06/1988		01/08/1993		01/08/2013		02/08/2019		01/08/2029	
01/08/1993		01/08/2013		02/08/2019		01/08/2029		01/08/2036	
	00/00/0000	शुक्र	01/12/1996	सूर्य	19/11/2013	चंद्र	01/06/2020	मंगल	29/12/2029
	01/06/1988	सूर्य	01/12/1997	चंद्र	21/05/2014	मंगल	31/12/2020	राहु	16/01/2031
सूर्य	05/07/1988	चंद्र	02/08/1999	मंगल	25/09/2014	राहु	02/07/2022	गुरु	23/12/2031
चंद्र	03/02/1989	मंगल	01/10/2000	राहु	20/08/2015	गुरु	01/11/2023	शनि	31/01/2033
मंगल	02/07/1989	राहु	02/10/2003	गुरु	07/06/2016	शनि	02/06/2025	बुध	28/01/2034
राहु	20/07/1990	गुरु	02/06/2006	शनि	20/05/2017	बुध	01/11/2026	केतु	26/06/2034
गुरु	26/06/1991	शनि	01/08/2009	बुध	27/03/2018	केतु	02/06/2027	शुक्र	26/08/2035
शनि	04/08/1992	बुध	01/06/2012	केतु	02/08/2018	शुक्र	31/01/2029	सूर्य	01/01/2036
बुध	01/08/1993	केतु	01/08/2013	शुक्र	02/08/2019	सूर्य	01/08/2029	चंद्र	01/08/2036

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
01/08/2036		02/08/2054		02/08/2070		01/08/2089		03/08/2106	
02/08/2054		02/08/2070		01/08/2089		03/08/2106		00/00/0000	
राहु	14/04/2039	गुरु	19/09/2056	शनि	04/08/2073	बुध	29/12/2091	केतु	30/12/2106
गुरु	07/09/2041	शनि	02/04/2059	बुध	14/04/2076	केतु	25/12/2092	शुक्र	29/02/2108
शनि	14/07/2044	बुध	08/07/2061	केतु	23/05/2077	शुक्र	26/10/2095	सूर्य	02/06/2108
बुध	31/01/2047	केतु	14/06/2062	शुक्र	23/07/2080	सूर्य	01/09/2096		00/00/0000
केतु	19/02/2048	शुक्र	12/02/2065	सूर्य	05/07/2081	चंद्र	31/01/2098		00/00/0000
शुक्र	19/02/2051	सूर्य	01/12/2065	चंद्र	03/02/2083	मंगल	28/01/2099		00/00/0000
सूर्य	13/01/2052	चंद्र	02/04/2067	मंगल	14/03/2084	राहु	18/08/2101		00/00/0000
चंद्र	14/07/2053	मंगल	08/03/2068	राहु	19/01/2087	गुरु	24/11/2103		00/00/0000
मंगल	02/08/2054	राहु	02/08/2070	गुरु	01/08/2089	शनि	03/08/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 1 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म लग्न के उदय के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका यह जन्म लग्नादिक संयोजन आपके आदर्श जीवन का आधारशिला आनंदपूर्ण पराकाष्ठा का सृजन करता है, जो आपके जीवन के लिए सुखद एवं उन्नति कारक प्रतीत होता है। आप स्वाभाविक रूप से निष्कपट व्यक्ति है। परंतु जन सामान्य के मध्य "जैसे को तैसा" वाले सिद्धांत के अनुयायी हैं। आप विश्वसनीयता पूर्वक निश्चित जीवन व्यतीत करेंगे।

आप प्रायः सदैव ही अपने पक्ष की रूपरेखा तैयार करने में लगे रहते हैं। आप आकर्षक व्यक्तित्व एवं उत्तम स्वास्थ्य के संबंध में सौभाग्यशाली हैं। आप थोड़ी शिक्षा प्राप्त करके भी बैल की सींग जैसी पैनी कार्य क्षमता द्वारा अपनी सफलता हेतु कार्य संपादन करते रहेंगे। आपमें जन्मजात अंतर्ज्ञान एवं शक्ति विद्यमान है। आप अपनी कार्य योजना के कार्यान्वयन हेतु पूर्व ही सभी तथ्यों का अध्यापन कर हर दृष्टिकोण से तत्पर रहते हैं एवं अपनी कार्य योजना पूर्णरूपेन संपन्न करने में सक्षम हो जाते हैं।

आप किसी भी तरह दो प्रकार चाल की विशेषताओं से मुड़ने की प्रवृति रखते हो। पहली बात तो यह है कि आप जूआ के प्रलोभन में फंसकर संतुष्ट होना चाहते हो। परिणाम स्वरूप क्षति उठाना पड़ता है। दूसरी बात यह कि आप धारा प्रवाह बात चीत करते हो। इस कारण मानवीय स्वाभाविक विश्वसनीयता अन्य लोगों की दृष्टि में नष्ट हो जाती है। आप सदैव स्पष्ट रूप से किसी भी बात को जन सामान्य के मध्य प्रकट कर के अन्यों के द्वारा छेड़-खानी के शिकार बनते हो। आप सदैव अपनी पैनी तीक्ष्ण शाब्दिक उच्चारण करके अन्य लोगों की आत्मा पर चोट पहुंचाते हो। इस कारण आप जब कभी अपना मैत्री पूर्ण अधिकार जताना चाहते हो तो तुम्हारे मित्र इस बातों का बहिष्कार करते हैं।

आप वैदेशिक लोगों के प्रति आकर्षित रहते हो। आप सदैव उनसे परिचय एवं संपर्क बढ़ाना चाहते हो एवं उनको अपनी दृष्टि में उच्चतम बनाकर अपना लेना चाहते हो। यदि आप सर्तकता पूर्वक वार्तालाप कर सम्पर्क में ले आएं तो यह संभाव्य है कि आप वैदेशिक भ्रमण कार्य पूरा कर सकते हैं।

आप निःसंदेह एक सुंदर भवन के स्वामी होंगे तथा अपनी प्यारी पत्नी एवं व्यवहार कुशल संतान से सुखी रह सकते हैं। परंतु आपमें बाहर भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है क्योंकि आप खेल-कूद तथा भ्रमण कार्य में व्यस्त रहकर घर से बाहर रहते हैं। अस्तु आप घर-गृहस्थी के लिए सक्षम नहीं हैं। आपके लिए कार्य व्यवसायों में अनुकूल एवं शानदार कार्य, कंपनी लॉ, वैदेशिक लोगों के साथ व्यापार संबंध स्थापित करना, शैक्षणिक कार्य, राजनीति कार्य एवं शैक्षणिक संबंधी कार्य एवं धार्मिक संस्थान के कार्य उत्तम हैं।

यदि आप निम्नांकित निर्देशों को ध्यान में रखकर कार्यों का प्रस्तुतीकरण करें तो बिना किसी भी व्यवधान के सफल हो जाओगे।

आपके लिए अंको में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुकरणीय है। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।

आपके लिए लाल, मोतिया एवं काले रंग को छोड़ कर शेष सफेद, क्रीम रंग, सूआपंखी रंग, नीला, हरा एवं नारंगी शुभ एवं अनुकूल हैं।